## उत्तरपत्रिका

### विभाग 1 – गद्य: 20 अंक

**प्र.1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [8]**

**(1) नाम लिखिए। (2)**

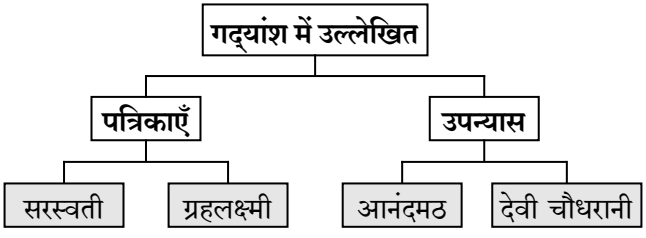


**(2) लिखिए। (2)**

**(i) लेखक का पहला मित्र** – छापे का अक्षर

**(ii) लेखक की पहली कविता** – कब लौं कहौं लाठी खाय!

**(3) गद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।**

**(i) प्रत्ययुक्त शब्द। (2)**

**उत्तर:** (1) देशी (2) विलायती

**(ii) ऐसे दो शब्द जिनका वचन परिवर्तन नहीं होता।**

**उत्तर:** (1) उपन्यास (2) मित्र

**(4) 'पढ़ोगे तो बढ़ोगे' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

**उत्तर:** पढ़ाई, लिखाई हर व्यक्ति के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं । शिक्षा प्राप्त करके व्यक्ति ज्ञानी और बुद्धिमानी बनता है, उस ज्ञान का उपयोग खुद के लिए तथा राष्ट्र के विकास के लिए करता है, नए खोज से नए उपकरणों का आविष्कार करता है । और समाज में उच्च स्थान प्राप्त करता है । ज्ञान व्यक्ति की ज़िंदगी को नई दिशा में ले जाता है, वैज्ञानिक दृष्टिकोन विकसित करता है । इसलिए कहा गया है, पढ़ोगे तो बढ़ोगे ।

**प्र.1. (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ लिखिए।** **[8]**

**(1) आकृति पूर्ण कीजिए।**

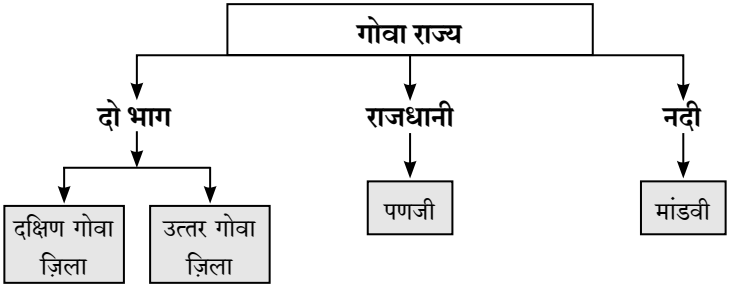


**(2) उत्तर लिखिए।** **(2)**

**गद्यांश में उल्लेखित नदी की विशेषताएँ**

**उत्तर:** (1) काफ़ी बड़ी है । (2) वर्ष भर पानी से भरी रहती है ।

**(3) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में प्रयुक्त विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **(1)**

**उत्तर:** (1) अनौपचारिक – औपचारिक (2) छाँव – धूप

**(ii) गद्यांश से अंग्रेज़ी शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **(1)**

**उत्तर:** (1) टैक्सी (2) रिसॉर्ट

**(4) 'पर्यटन ज्ञान वृद्धि का साधन' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।** **(2)**

**उत्तर:** पर्यटन से तनाव दूर होता है, मनोरंजन होता है यह सही है साथ ही ज्ञान की वृद्धि भी अवश्य होती है । हम जहाँ भी घूमने जाते हैं वहाँ की भौगोलिक परिस्थितियाँ, मौसम, लोगों का रहन-सहन, खान-पान, रिती-रिवाज़, मान्यताएँ, बोली, उत्सव; वहाँ के मुख्य उत्पाद, पदार्थ आदि सभी विषयों की जानकारी हमें मिलती है, साथ ही वहाँ जाने के लिए यातायात के साधन आदि के बार में हमें जानकारी मिलती हैं । वह स्थल किन कारणों से प्रसिद्ध हैं, उस से जुड़ी पुरातन कहानियाँ हमारा ज्ञान बढ़ाते है । इसलिए पर्यटन मनोरंजन के साथ ज्ञान भी बढ़ाता है ।

**प्र.1. (इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]**

**(1) उत्तर लिखिए। (2)**

**चीनी वैज्ञानिकों द्वारा भूकंप आने के पूर्वानुमान लगाने के आधार –**

**उत्तर:** (1) मेंढकों व साँपों का अपने बिलों से एकाएक बाहर निकल आना ।

(2) मुरगियों की बेचैनी और अपने दरबों से भागना ।

**(2) 'भूकंप से होने वाली हानि से बचने के उपाय' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

**उत्तर:** भूकंप के कारण जन-धन की अपार हानि होती हैं । बहुत से मासूम लोगों की जाने भूकंप के कारण जाती हैं । भूकंप के कारण भोजन, पानी, आश्रम आदि बुनियादी चीज़ों की कमी हो जाती हैं । भूकंप आने पर खुले मैदान की ओर भागें, लिफ्ट का उपयोग न करें, सीढ़ियों का उपयोग करें, घर के बिजली का बटन ऑफ़ कर दें । घबराएँ नहीं और दरवाज़ें-खिड़कियाँ को खुला रखें, अधिक परेशान न हों और अफवाएँ न फैलाएँ । सामाजिक संस्थाओं की सहायता लें ।

**विभाग 2 – पद्य: 12 अंक**

**प्र.2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [6]**

**(1) संजाल पूर्ण कीजिए। (2)**

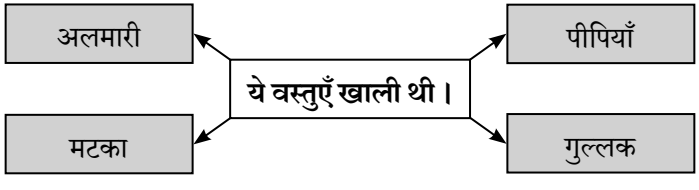


**(2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए।**

**(i) ऐसे शब्द जिनका अर्थ निम्न शब्द हो। (1)**

**उत्तर:** (1) टीन का पीपा – कनस्तर (2) कमरा – कक्ष

**(ii) वचन परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)**

उन्होंने टूटी अलमारी को खोला ।

**उत्तर:** उसने टूटी अलमारियों को खोला ।

**(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2)**

**उत्तर:** छापा मारने वालों ने टूटी हुई अलमारी खोली और उसमें देखा, फिर रसोई घर की खाली पीपियाँ देखीं, बच्चों की गुल्लक तक देख डाली, मगर सभी खालीं । किसी में कुछ नहीं मिला, मिला तो केवल एक ही तत्त्व खाली (रिक्त) । कनस्तर, मटके आदि ढूँढ़े । सबमें उन्हें शून्य - 'ब्रम्हांड' मिला (कुछ न मिलना) ।

**प्र.2.(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [6]**

**(1) पद्यांश के आधार पर संबंध जोड़कर उचित वाक्य तैयार कीजिए। (2)**

**उत्तर:** (1) जुगनू : जुगनू ने कहा मैं भी तुम्हारे साथ हूँ ।

(2) रोशनी : वक्त की धुंध में मैं रोशनी बनकर दिखूँ ।

**(2) (i) निम्नलिखित के लिए पद्यांश से शब्द ढूँढ़कर लिखिए। (1)**

**उत्तर:** (1) लोगों का समूह - भीड़

(2) सीप में बनने वाला रत्न - मोती

**(ii) पद्यांश में आए 'पर' शब्द के अलग-अलग अर्थ लिखिए। (1)**

**उत्तर:** (1) पर - पंख (2) पर - के ऊपर

**(3) अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। (2)**

**उत्तर:** कवि माणिक वर्मा कहना चाहते हैं कि अगर नाज़ुक कली फूल बनने से डर जाए, फूल बनकर खिलें नहीं, तो इस प्रकार के भय से दूर रहे । तितलियों के पंख नाज़ुक होते हैं । किंतु वह टूटने के डर से उड़ना नहीं छोड़ती । इस दुनिया की भीड़ में जहाँ सभी एक जैसे हैं, वहाँ जब तुम उस भीड़ में चलो तो, मैं तुम्हें अकसर उस भीड़ में देखूँ ।

## विभाग 3 - पूरक पठन: 8 अंक

**प्र.3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]**

**(1) लिखिए। (2)**

**गद्यांश में उल्लेखित चिड़ियों की विशेषताएँ।**

**उत्तर:** (i) पेड़ पर बैठी या आसमान में उड़ती हुई नहीं दिखतीं ।

(ii) घरों के अंदर यहाँ-वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं ।

**(2) 'पक्षियों की घटती संख्या' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

**उत्तर:** दिन-ब-दिन मनुष्यों ने वृक्षों को काटकर उनकी संख्या कम की हैं, परिणाम स्वरूप पक्षियों की संख्या भी घटती जा रही हैं । शहरों में वृक्ष काटकर बड़े-बड़े टॉवर्स बनाए जा रहे हैं । शहरों के विकास में बड़े-चौड़े रस्ते भी ज़िम्मेदार हैं क्योंकि पक्षियों के घर बनाने के लिए वृक्ष ही नहीं रहें । प्रदूषण भी एक महत्त्वपूर्ण घटक है जिसके कारण पक्षियों की संख्या कम हो रही हैं । तालाबों के सौंदर्यीकरण के कारण पंछियों के अधिकार नष्ट हो रहे हैं । शिकारी, आदिवासी लोग पक्षियों को जाल में अटकाकर बेचते हैं । ऐसे अनेकों कारणों से पक्षियों की संख्या घटती जा रही हैं ।

**प्र.3. (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [4]**

**(1) सूचनानुसार लिखिए। (2)**

**(i) ऐसी पंक्ति जिसमें पौराणिक संदर्भ है –**

**उत्तर:** यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थें ध्रुव-से बच्चे ।

**(ii) ऐसी पंक्ति जिसमें ऐतिहासिक संदर्भ हो –**

**उत्तर:** जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते ।

**(2) 'इतिहास हमें प्रेरणा देता है' विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। (2)**

**उत्तर:** इतिहास हमें हमारे वर्तमान और भूतकाल को समझने में मदद करता है । इतिहास में घटी घटनाओं, लोगों से हमें बहुत कुछ सीखने मिलता है । ऐतिहासिक चरित्र या पात्रों से हमें प्रेरणा मिलती है, उनका पराक्रम, देशभक्ति, वीरता, पौरुष हमें उनके पद्चिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं । ऐतिहासिक घटनाओं में घटी घटनाएँ, गलतियों से हमें सीख मिलती हैं । इतिहास हमारे चिंतन को मजबूती प्रदान करता है । इतिहास एक स्व-सुधार आत्मज्ञान की प्रक्रिया है ।

## विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण): 14 अंक

**प्र.4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। [14]**

**(1) निम्नलिखित वाक्य में अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए। (1)**

**श्रमजीवियों की मज़दूरी एवं आमदनी कम है।**

**उत्तर:** कम – विशेषण (विकारी शब्द)

**(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)**

**(i) वाह!**

**उत्तर:** वाह! क्या सुंदर फूल खिला है ।

**(ii) के साथ**

**उत्तर:** राम माँ के साथ बाज़ार ज़ाएगा ।

**(3) कृति पूर्ण कीजिए। (1)**

| शब्द | संधि–विच्छेद | संधि प्रकार |
|---|---|---|
| **अंतचेतना** | अंत: + चेतना | विसर्ग संधि |
| सज्जन | **सत् + जन** | व्यंजन संधि |

**(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। (1)**

**(i) टैक्सी एक पतली–सी सड़क पर दौड़ पड़ी।**

**(ii) यहाँ सुबह–सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी गईं।**

| सहायक क्रिया | मूल क्रिया |
|---|---|
| पड़ी | पड़ना |
| गई | जाना |

**(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए। (1)**

| क्रिया | प्रथम प्रेरणार्थक रूप | द्वितीय प्रेरणार्थक रूप |
|---|---|---|
| **(i) फैलना** | फैलाना | फैलवाना |
| **(ii) लिखना** | लिखाना | लिखवाना |

**(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)**

| मुहावरा | अर्थ | वाक्य |
|---|---|---|
| **(i) शेखी बघारना** | स्वयं अपनी प्रशंसा करना | रमेश को दोस्तों के बीच शेखी बघारने की आदत थी । |
| **(ii) निछावर करना** | समर्पित करना | देश का हर नागरिक अपने देश पर सबकुछ निछावर करने के लिए तैयार रहता है । |

**अथवा**

**अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।**

**(बोलबाला होना, दुम हिलाना)**

**सिरचन को बुलाओ, चापलूसी करता हुआ हाज़िर हो जाएगा।**

**उत्तर:** सिरचन को बुलाओ, दुम हिलाता हुआ हाज़िर हो जाएगा ।

**(7) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य में प्रयुक्त कारक चिह्न पहचानकर उसका भेद लिखिए। (1)**

**(i) करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।**

**(ii) पर्यटन में बहुत ही आंनद मिला।**

| कारक चिह्न | कारक भेद |
|---|---|
| ने | कर्ताकारक |
| में | अधिकरण कारक |

**(8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए। (1)**

**मैंने कराहते हुए पूछा ''मैं कहाँ हूँ''**

**उत्तर:** मैंने कराहते हुए पूछा, ''मैं कहाँ हूँ?''

**(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए। (2)**

**(i) सातों तारे मंद पड़ गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)**

**उत्तर:** सातों तारे मंद पड़ गए हैं ।

**(ii) रूपा दौड़ते–दौड़ते व्याकुल होती है। (अपूर्ण भूतकाल)**

**उत्तर:** रूपा दौड़ते–दौड़ते व्याकुल हो रही थी ।

**(iii) हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। (सामान्य भविष्यकाल)**

**उत्तर:** हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देंगे ।

**(10) (i) निम्नलिखित वाक्य रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। (1)**

**काकी बुद्धिहीन होते हुए भी इतना जानती थी कि मैं वह काम कर रही हूँ।**

**उत्तर:** मिश्र वाक्य

**(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए। (1)**

**(1) तुम्हें अपना ख्याल रखना चाहिए। (आज्ञार्थक वाक्य)**

**उत्तर:** तुम अपना ख्याल रखो ।

**(2) मानू इतना ही बोल सकी। (प्रश्नार्थक वाक्य)**

**उत्तर:** क्या मानू इतना ही बोल सकी?

**(11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए। (2)**

**(i) इस बार मेरी सबसे छोटि बहन पहली बार ससूराल जा रही थी।**

**उत्तर:** इस बार मेरी सबसे छोटी बहन पहली बार ससुराल जा रही थी ।

**(ii) आपने भ्रमन तो काफ़ी की है।**

**उत्तर:** आपने भ्रमण तो काफ़ी किया है ।

**(iii) व्यवस्थापकों और पुँजी लगाने वालों को हजारो–लाखो का मिलना गलत नहीं माना जाता।**

**उत्तर:** व्यवस्थापकों और पूँजी लगाने वालों को हज़ारों–लाखों का मिलना गलत नहीं माना जाता ।

## विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन): 26 अंक

**प्र.5. (अ) (1) पत्र–लेखन ।** **[5]**

**निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र–लेखन कीजिए ।**

दिनांक: 6 मार्च, 2020

प्यारी सहेली किशोरी,

सस्नेह याद ।

आज सुबह ही अखबार में तुम्हारा नाम पढ़ा और तस्वीर देखी । तुम्हें वर्धा से दोहा प्रतियोगिता में प्रथम क्रमांक प्राप्त हुआ है । वास्तव में यह बड़े गौरव की बात है । तुम्हारे इस योगदान से मैं बहुत खुश हूँ । तुम्हारी इस शानदार सफलता के लिए बहुत–बहुत बधाई हो । मैं ईश्वर से प्रार्थना करूँगी कि तुम्हें इस प्रकार की सफलताएँ मिलती रहें और ऐसे ही शुभकामनाओं के, बधाइयों के फूल तुझ पर बरसते रहें ।

तुम्हारी कुशाग्र बुद्धि और याददास्त ने सोने पे सुहागे का काम किया है । तुम्हारा कार्य हम सभी के लिए प्रेरणाप्रद है ।

आ. चाची जी और चाचा जी को मेरा प्रणाम कहना । तुम्हारे माता–पिता को तुम पर गर्व होगा न? फिर एक बार तुम्हें ढ़ेर सारी बधाई और स्नेह ।

तुम्हारी सहेली,

राधा चौगुले,

रामेश्वर नगर,

वर्धा – 442001 ।

radhachaugule@gmail.com

**अथवा**

दिनांक: 6 मार्च, 2020

प्रति,

माननीय व्यवस्थापक,

कौस्तुभ पुस्तक भंडार,

सदर बाज़ार,

नागपुर – 440001 ।

**विषय** – पार्सल में प्राप्त पुस्तकों के बारे में शिकायत–पत्र ।

मा. महोदय,

आपका भेजा हुआ पुस्तकों का पार्सल मुझे कल ही प्राप्त हुआ, धन्यवाद ।

आपको यह सूचित करता हूँ कि आपने जो पुस्तकें भेजी हैं, उनमें कुछ पुस्तकों की प्रतियाँ फटी हुई हैं । कुछ प्रतियाँ पुरानी नज़र आईं । इसलिए ये पुस्तकें मैं आज ही पोस्ट पार्सल से लौटा रहा हूँ ।

आशा है, आप यह पत्र मिलते ही शीघ्र ध्यान देंगे और नई पुस्तकें भिजवाने की व्यवस्था करेंगे । कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

भवदीय,

अशोक मगदुम,

लक्ष्मी नगर,

नागपुर - 440001 ।

ashokm.@gmail.com

**(2) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति । [4]**

**निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों ।**

**प्रश्न:** (1) स्वामी श्रद्धानंद जी किन विषयों की शिक्षा दे रहे थे?

(2) राष्ट्रीय नेता गुरुकुल क्यों आते थे?

(3) राष्ट्रीयता कहाँ नहीं पनपेगी?

(4) स्वाधीनता की तड़प किन में थी?

**प्र.5. (आ) (1) वृत्तांत-लेखन । [5]**

**विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर में संपन्न 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान का रोचक वृत्तांत-लेखन 60 से 80 शब्दों में लिखिए ।**

**'बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ'**

सोलापुर, दि. 10 दिसंबर 2020 विवेकानंद विद्यालय, सोलापुर में ठीक सुबह 10 बजे 'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' का अभियान शुरू हुआ । इस अभियान के प्रमुख अतिथि महापौर श्रीमती अपर्णा सालवी जी को बुलाया गया था ।

'बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ' अभियान के तौर पर विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था । बालिकाओं को शोषण से बचाना, शिक्षा लेने के लिए प्रेरित करना और बालिकाओं का अस्तित्व और सुरक्षा विद्यालय में सुनिश्चित करना था । विद्यालय में बालिकाओं के लिए आयोजित कई कार्यक्रमों के बारें में जानकारी देना था । सुबह ठीक 10 बजे प्रमुख अतिथि विद्यालय के सभागृह में इकट्ठा हुए । प्रधानाचार्य ने

मुख्य अतिथि का स्वागत किया । फिर 9 वीं की कुछ छात्राओं ने अपने विचार रखें । प्रधानाचार्य ने विद्यालय द्वारा इस अभियान को किस प्रकार सफलतापूर्वक संपन्न कर सकते है, उस योजना को विस्तार से समझाया । मुख्य अतिथि श्रीमती अपर्णा सालवी जी ने वर्तमान स्थिति में बालिकाओं की शिक्षा और सुरक्षा संबंधी कुछ सुझाव दिए और विद्यालय के सभी बालिकाओं का गुलाब का पुष्प देकर सम्मान किया ।

विद्यालय में बालिका के शिक्षा संबंधी एक प्रदर्शनी का आयोजन किया था जिसे देखकर अपर्णा जी बहुत प्रभावित हुई । उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य, सभी अध्यापक, अध्यापिकाओं एवं छात्राओं के कार्य की सराहना की । पर्यवेक्षक जी ने आभार प्रदर्शन प्रस्तुत किया और राष्ट्रगीत के साथ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की समाप्ति की गई ।

**अथवा**

**कहानी–लेखन ।**

**निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए ।**

**एकता का महत्त्व**

जैतापुर नामक एक गाँव था । गाँव में बहुत भोले–भाले लोग रहते थे । सभी लोग बड़े ही प्यार भाईचारे से रहते थे । किंतु गाँव में पीने की पानी की बड़ी समस्या थी । गाँव की औरते दूर–दूर से पानी लाती थी । पानी की समस्या के कारण गाँव में खेती–बाडी सूख रही थी, ज़मीनों में दरारे आ रही थीं । गाँव के लोग परेशान रहने लगे थे ।

एक दिन गाँव में एक महात्मा आए । उन्होंने गाँववालों की समस्या को समझा और एक दिन गाँव के लोगों की सभा बुलाई । गाँव के सभी लोग सभा में उपस्थित हुए ।

महात्मा ने लोगों को एक साथ मिलकर गाँव के मध्य का तालाब साफ़ करने के लिए कहा और वे चले गए । सभी ने मिलकर श्रमदान का निर्णय लिया लेकिन दूसरे दिन केवल एक आदमी ही उपस्थित हुआ ।

उस आदमी ने आव देखा न ताव और कुदाल लेकर तालाब की सफ़ाई का काम शुरू किया । उसे काम करता देख गाँव के युवा सहायता के लिए आ गए और फिर पूरा गाँव एक–एक करके इस महान कार्य में जुड़ गया । देखते–ही–देखते तालाब से कीचड़, प्लास्टिक गंदगी निकाली गई और तालाब पूरी तरह साफ़ हुआ । उसी रात घनघोर वर्षा हुई और तालाब पानी से पूरा भर गया । सुबह स्वच्छ पानी से भरे तालाब को देखकर गाँववालों के खुशी का ठिकाना न रहा ।

अब जैतापुर गाँव की औरतों को पीने के पानी के लिए दूर जाना नहीं पड़ता । लोगों के चेहरे पर खुशी की लहर और खेतों में फ़सलों की लहरें दौड़ने लगीं ।

**सीख** – एकता में बड़ी ताकत होती है, मिलकर किये गए कार्य से सभी को खुशी मिलती है और कार्य भी सफल होता है ।

**(2) विज्ञापन–लेखन ।** **[5]**

**निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ।**

**आवश्यकता है!!!**

**स्कूल बस के लिए ड्राइवर चाहिए ।**

* शैक्षिक अर्हता – कम से कम 12 वीं पास ।
* अनुभव – 10 वर्ष का ।
* व्यावसायिक अर्हता – 25,000 किलोमीटर गाड़ी चलाने का अनुभव साथ ही गाड़ी दुरुस्ती का ज्ञान ।
* वेतन – 15,000 से 25,000 तक ।
* संपर्क – 2332422409
* स्थान – महात्मा हिंदी विद्यालय पुणे ।

**प्र.5. (इ) निबंध–लेखन ।** **[7]**

**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए ।**

(1) मेरा भारत देश

(2) पर्यावरण संतुलन

(3) पुस्तक की आत्मकथा

**(1) मेरा भारत देश**

भारत मेरी मातृभूमि है । इसके अन्न, जल और मिट्टी से मेरे शरीर का निर्माण हुआ है । इसलिए यह देश मुझे बहुत प्यारा है ।

यह प्रकृति का लाड़ला देश है । पर्वतराज हिमालय इसके उत्तर में मुकुट की तरह सुशोभित है । दक्षिण में हिंद महासागर, बंगाल की खाड़ी पूरब में और पश्चिम में अरब

सागर है । गंगा और यमुना नदियाँ बह रही हैं । कश्मीर तो हमारे देश का स्वर्ग है ।

संसार को आचार-विचार, व्यापार-व्यवहार और ज्ञान-विज्ञान की शिक्षा भारत से मिली हैं । क्षमा, करुणा और उदारता की त्रिवेणी इसी देश में बहती हैं । संयम, त्याग, अहिंसा भारतीय जीवन के आदर्श हैं । भारत में ही कृषि-विज्ञान, धातु-विज्ञान, औषधि का विकास हुआ । अजंता और एलोरा की गुफाएँ, दक्षिण भारत के सुंदर मंदिर, आगरा का ताजमहल, दिल्ली के कुतुबमीनार को देखने दुनियाभर के हज़ारों-लाखों पर्यटक हर साल देखने भारत आते हैं ।

हमारे देश में व्यास, कालिदास जैसे महाकवि पैदा हुए हैं । भारत के वेद संसार के आदि ग्रंथ माने जाते हैं । रामायण, महाभारत हमारे गौरव ग्रंथ हैं । यहाँ पर पुरुषोत्तम श्रीराम, श्रीकृष्ण, गौतम बुद्‌ध जैसे महापुरुषों का जन्म हुआ । जिन्होंने अपने अद्‌भुत कार्य से हमारे देश को महान बनाया ।

आधुनिक युग में डॉ.सी.वी. रमन, होमी भाभा, विक्रम साराभाई तथा डॉ. अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिकों ने विज्ञान के क्षेत्र में भारत का सिर ऊँचा उठाया है । यहाँ के जनजीवन में विविधता के बावजूद एकता दिखाई देती है । आज सारा संसार स्वतंत्र भारत की महानता स्वीकार करता है ।

## (2) पर्यावरण संतुलन

पेड़-पौधे प्रकृति के उपहार हैं । किसी भी भूखंड पर लगे पेड़, पौधे और वृक्ष केवल आँखों को हरियाली का आनंद नहीं देते हैं, वे वातावरण को शीतल तथा पर्यावरण को मनोहर बनाते हैं । हमारे आसपास का नभ, जल व स्थल ही हमारा पर्यावरण कहलाता है ।

पर्यावरण में हरियाली होने से वातावरण में नमी बनी रहती है । पानी अच्छा बरसता है तथा कृषि और वनस्पतियाँ दोनों में वृद्‌धि होती है । जंगलों के हरे-भरे रहने से वन संपदा में वृद्‌धि होती है । राष्ट्र को काफ़ी फ़ायदा होता है । पेड़-पौधे और पर्यावरण एक दूसरे पर निर्भर है । यदि पर्यावरण साफ़-सुथरा और शुद्‌ध है, तो पेड़-पौधे भी उगेंगे, बढ़ेंगे और पर्यावरण को शुद्‌ध रखेंगे । इसलिए पर्यावरण को शुद्‌ध बनाए रखने के लिए जन समाज तथा सरकार दोनों को ही अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए ।

प्राचीन काल में कृष्ण की भूमि अपने वनों, जलाशयों तथा यमुना नदी के लिए प्रसिद्‌ध थी, परंतु आज की भूमि पर पक्के मकानों की भरमार हो गई है । वन गायब हो गए तथा यमुना नदी सूख गई है । वृंदावन की गलियों में अब गायें नहीं सूअर घूमते हैं । चारों ओर गंदगी का साम्राज्य है ।

आज भारत में पर्यावरण को प्रदूषित करने के कई कारण हैं जैसे बढ़ते हुए कारख़ानों, पेड़ों तथा वनों की अंधाधुंध कटाई । जंगलों को काटने के कारण वन्य जीव भी लुप्त होते जा रहे हैं ।

बहुत ही जल्द हमें सोचना होगा कि हम वनसंपदा को बचाए या विनाश की ओर ले जाए । देश को हरा-भरा एवं निर्मल रखने के लिए वृक्षारोपण पर ध्यान दें और अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर अपने आसपास के पर्यावरण को सुंदर और शुद्ध बनाएँ ।

### (3) पुस्तक की आत्मकथा

बहुत दिनों से मेरी इच्छा थी कि मैं किसी के आगे अपना दिल खोलूँ । अच्छा हुआ, आज आपने मुझे हाथों में लिया । मैं अपने मन की बातें आपसे कहना चाहती हूँ ।

एक बहुत विद्वान लेखक ने बहुत परिश्रम से मुझे लिखा । इसके बाद लेखक मुझे एक प्रकाशक के पास ले गए । प्रकाशक ने मुझे अपने प्रेस में भेजा । वहाँ अक्षरों को जोड़-जोड़कर मुझे एक नया रूप दिया गया । इसके बाद मुझे मशीनों में डालकर कागज़ पर छापा गया । फिर मेरी देह में सुइयाँ लगाई और अंत में मुझपर सुंदर मुखपृष्ठ लगाकर मुझे सुंदर रूप दिया गया । फिर मुझे दुकान की अलमारी में रखा गया ।

बहुत दिन मैं वहीं पर थी । कोई मुझे खरीद नहीं रहा था । मेरा मूल्य काफ़ी था लेकिन एक दिन तुमने अपने पापा से ज़िद करके मुझे खरीदा । घर ले आने पर तुमने मुझे प्यार से अपनी अलमारी में रखा । रोज़ तुम मुझे पढ़ने लगी । मैं बहुत खुश हुई तुम्हारी तरह शौकीन के पास आकर । तुम सब दोस्तों से मेरा परिचय करवाती, मुझे शान से दिखाती ।

कुछ दिनों बाद तुमने मुझे दूसरी अलमारी में रखा और फिर भूल गई । आज कई दिनों से मैं इस अलमारी में बंद थी, तुमने फिरसे मुझे बाहर निकाला । अलमारी के अंदर मेरा दम घूँट रहा था । मैंने अपनी शक्ति के अनुसार पाठकों की सेवा की, उन्हें आनंद और ज्ञान दिया । आगे भी इसी तरह सेवा करती रहूँगी । आज मैं बहुत खुशनसीब हूँ कि मुझे फिरसे नवजीवन मिला । धन्यवाद ।

★★★